भारतीय इतिहास में दूसर□दशों स□बड़ी संख्या में लोगों क□ आन□क□ अनक उदार और बहतर उदाहरण हैं - लोक सभा अध्यक्ष

जेनेवा, 19 अक्तूबर, 2015 : लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन, जो जेनेवा (स्विट्ज़रलैंड) में अतर सदीय सघ की 133 वी□सभा में भाग ले रही हैं, ने "उदार और बेहतर प्रवास की नैतिक और □ र्थिक अनिवार्यता" विषय □र अ□ने विचार व्यक्त किये। यह बताते हुए कि भारतीय इतिहास में दूसरे देशों से बड़ी सख्या में लोगों के □ ने के अनेक उदार और बेहतर उदाहरण हैं, श्रीमती महाजन ने इस तथ्य का उल्लेख किया कि धार्मिक स्वतत्रता के कारण भारत में □ ए □ारसी भारतीय समाज में ऐसे घुलमिल गए हैं जैसे दूध में शक्कर। उनकी उ□लब्धियों का □ दर न केवल □ूरा देश करता है बल्कि सभी भारतवासी करते हैं जो उनकी सफलता को अ□नी सफलता मानते हैं ।

श्रीमती महाजन ने कहा कि हालाकि प्रवास से उन देशों को कई चुनौतियों और नैतिक दुविधाओ□का सामना करना □ड़ता है जहाँ प्रवासी जाते हैं, किन्तु इससे □ र्थिक विकास, मानव विकास और सास्कृतिक विविधता के अवसर भी उत□न्न होते हैं। मेजबान देश युवा प्रवासियों में कुशल और अकुशल श्रमिकों, उनकी प्रतिभा और विशेषज्ञता, ऊर्जा और नए विचारों से लाभान्वित हो सकते हैं। दूसरी और प्रवासियों की मातृभूमि को उनके द्वारा भेजे गए धन, बचत और उनके कौशल और अतर्राष्ट्रीय सबधों के रू□ में लाभ होता है।

श्रीमती महाजन ने कहा कि सभी लोगों को शामिल करने से ही सतत विकास सभव हो सकता है । यह बात सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा में प्रतिबिम्बित होती है जिसमें सत्रह सतत विकास लक्ष्यों में से चार लक्ष्यों में प्रवास और लोगों के दूसरे देशों में □ ने जाने को शामिल किया गया है। उन्होंने प्रधान मत्री, श्री नरेंद्र मोदी की 'सबका साथ सबका विकास' की □रिकल□ना का उल्लेख भी किया जिसमें समावेशी विकास के महत्व □र जोर दिया गया है ।

इस सबध में, उन्होंने यह भी कहा कि अनिवासी भारतीयों और भारतीय मूल के व्यक्तियों ने अ□नी सृजनशीलता, उद्यमिता, कड़ी मेहनत और कानून का □ालन करने के स्वभाव से विश्व में 'ज्ञान □ धारित अर्थव्यवस्था' के रू□ में भारत की विशिष्ट □हचान और छवि बनाने में महत्व□ूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि एक जिम्मेदार राष्ट्र के रू□ में, भारत इटरनेशनल □ गेनाईजेशन फॉर माइग्रेशन, ग्लोबल फोरम फॉर माइग्रेशन

एण्ड डेवल□मेंट, कोलम्बो प्रोसेस और ऐसे अनेक क्षेत्रीय और अन्तरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सार्थक बातचीत करता है जो प्रवासियों के हितों की रक्षा करते हैं और उन्हें बढ़ावा देते हैं। वस्तुतः भारत प्रवास को एक विकासात्मक □ याम और मानवतावादी दृष्टिकोण से तथा सबके लाभ की स्थिति के रू□ में देखने की □ वश्यकता का समर्थन करता है ।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि सांसदों द्वारा प्रवास से जुडी चुनौतियों का सामना करने में राष्ट्रीय प्रयासों के साथ साथ अधिक अन्तरराष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन किये जाने की □ वश्यकता है, श्रीमती महाजन ने प्रवास के नकारात्मक प्रभाव कम करने के साथ-साथ इसके लाभों को बढ़ाने के लिए देशों में टीमवर्क को बढ़ावा देने के लिए संगठित प्रयासों का □ ह्वान किया। इस सम्बन्ध में, उन्होंने इस प्रसिद्ध कहावत का उल्लेख किया :

"प्राणिनाम्उ□काराययद्इव□रार्थच! कर्मणामनसावचातदैवमतिमानभजेत!!" जिसका अर्थ है कि बुद्धिमान व्यक्ति (और यही बात देशों □र भी लागू होती हैं) अ□ने कार्यों, विचारों और वचनों से ऐसे काम करें जो इस संसार में सभी प्राणियों के लिए हितकारी हों।